पटना से सहरसा के बीच दस किलोमीटर की दूरी होगी कम

महेशखूंट से पूर्णिया तक की सड़क होगी दो लेन

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

महेशखूंट से सहरसा होते हुए पूर्णिया तक जाने वाली सड़क का कायाकल्प होगा। इसकी चौड़ाई भी अब दो लेन की होगी। अभी यह सड़क जर्जर हाल में कुछ भागों में डेढ़ तो कुछ भाग में सिंगल लेन ही है।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने इस जर्जर सड़क के उन्नयन के साथ चौड़ीकरण का भी टेंडर कर दिया है। जल्द ही एजेंसी का चयन होने के बाद निर्माण शुरू हो जाएगा।

टेंडर के बाद निर्माण के लिए चयनित एजेन्सी को दो साल में इस सड़क का निर्माण कार्य पूरा करना होगा। साथ ही एजेन्सी को इसके रख-रखाव की जिम्मेदारी भी चार साल तक के लिए लेनी होगी। इसके निर्माण पर 573 करोड़ खर्च होंगे। हालांकि बागमती पर डुमरी पुल के निर्माण के बाद ही इसका सही लाभ आम लोगों को मिल पाएगा। यह पुल बाढ़ में ध्वस्त हो गया था।

महेशखूंट से पूर्णिया तक की सड़क एनएच 107 है। इसकी लंबाई लगभग 90 किमी है। सीमांचल और कोसी इलाके के लिए प्रमुख यह सड़क राजधानी पटना से भी उस इलाके को जोड़ने की एक प्रमुख कड़ी है। इसके खराब होने के पहले सहरसा से पटना आने के लिए लोग इसी सड़क का इस्तेमाल करते थे। हालांकि वर्तमान में इतनी जर्जर है कि अब उसपर वाहन चलाना कठिन है। इस सड़क की चौड़ाई बढ़ने से कोसी और सीमांचल की दूरी बहुत कम हो जाएगी। सहरसा से भागलपुर और खगड़िया जाना बहुत आसान हो जाएगा। सहरसा के पटना जाने की दूरी भी कम हो जाएगी। जबसे यह सड़क जर्जर हुई है इन प्रमुख शहरों को जोड़ने के लिए ट्रेन ही विकल्प बचा है। लेकिन अब बेहतर सड़क मार्ग हो जाने से इलाके के करोबार में भी वृद्धि होगी। साथ ही कई नई व्यावसायिक गतिविधियां भी चालू होंगी।

होगा कायाकल्प

- सीमांचल व कोसी को पटना से जोड़ने की होगी सबसे छोटी राह
- चौड़ाई बढ़ाने के साथ नवनिर्माण का एनएचएआई ने किया टेंडर

योजना एक नजर में

- 90 किमी लंबी है सड़क
- 573 करोड़ खर्च होंगे निर्माण पर
- 02 साल में करना होगा निर्माण